(ख) यदि हां, तो 1991-92 तथा 1994-95 के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर इन धागों के औसत मूल्य क्या थे ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में इन वर्षों के दौरान इन धागों की मूल्य वृद्धि के प्रतिशत में अंतर है ;

(घ) यदि हां, तो इस अवधि के दौरान सूती व सिंथेटिक धागे के मूल्यों में अलग-अलग कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ;

(ङ) क्या सरकार ने मूल्य वृद्धि के प्रतिशतों में भिन्नता के कारणों का पता लगा लिया है; और

(च) यदि हां, तो दोनों प्रकार के धागों के मूल्यों में वृद्धि होने के अलग-अलग कारण क्या हैं और किन-किन कारणों से कितनी-कितनी मूल्य वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) इस अवधि के दौरान यार्न की कीमतों में वृद्धि हुई है परंतु यह सभी मामलों में नहीं हुई ।

(ख) से (घ) एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिए)

(ङ) से (च) कीमतें मांग तथा आपूर्ति के बाजार बल तथा अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की प्रवृति द्वारा शासित होती हैं । तथापि, सरकार कीमतों में वृद्धि के संबंध में चिंतित है और वह नियमित रूप से मानीटरिंग करती है और सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं ।

विवरण

सूती और सिंथेटिक यार्न की औसत कीमतें

मद	मूल्य:रु./कि.ग्रा. 1991-92	1994-95	%वृद्धि/घटोत्तरी
हैंक यार्न	57.63	88.68	53.87
कोन यार्न	65.11	100.51	54.33
विस्कोस फिलामेंट यार्न	143.13	193.75	35.36
नाइलोन फिलामेंट यार्न	208.66	170.94	-18.07
पी ओ वाई	171.88	152.08	-11.51
पालिस्टार फिलामेंट यार्न	189.57	173.28	-8.59
टैक्सूराइज्ड यार्न	181.81	162.45	-10.64
पालिस्टर विस्कोस ब्लैंडिड यार्न	111.77	146.53	31.09
पालिस्टर काटन ब्लैंडिड यार्न	116.53	153.02	31.31

सिन्थेटिक धागे का आयात

4474. **श्री अजीत जोगी**: क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों तथा जनवरी से जून, 1994 के दौरान कितनी मात्रा तथा कितनी मूल्य के सिंथेटिक धागे का आयात किया गया ; और

(ख) ऐसे धागों का आयात करने के क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी): (क) पिछले तीन वर्षों और जनवरी से जून, 1994 के दौरान आयातित सिंथेटिक यार्न की मात्रा और मूल्य के आंकड़े नीचे दिए गए हैं :—

वर्ष	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख रु० में)
1991–92	4435.34	2980.84
1992–93	3577.76	3481.47
1993–94	22021.95	13157.53
जनवरी–जून, 94 (अनन्तिम)	17510.13	9305.86

(ख) घरेलू उद्योग के लिए, सिंटेटिक यार्न की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से एक्जिम नीति के अन्तर्गत इस प्रकार यार्न के आयात के लिए प्रतिबन्ध नहीं है । इसके अलावा, एक्जिम नीति की विभिन्न निर्यात संवर्धन योजनाओं के अन्तर्गत निर्यात उत्पादन के लिए यार्नों के आयात की सुविधा है ।

वस्त्रों के मूल्यों में वृद्धि

4475. श्री राम जेठमलानी:
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान वस्त्रों के मूल्य में निरंतर वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो जून, 1991 की तुलना में जनवरी, 1995 में टेरीकाट, मिश्रित धागों वाले वस्त्रों व सूती वस्त्रों की कीमतों में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ;

(ग) क्या यह भी सही है कि उक्त अवधि के दौरान इन वस्त्रों के उत्पादन पर कर भी लगाए गए हैं ;

(घ) यदि हां, तो किस-किस किस्म के वस्त्र पर कितने-कितने प्रतिशत की दर से कब-कब कराधान किया गया ; और

(ङ) मार्च, 1995 में इन विभिन्न प्रकार के वस्त्रों पर केन्द्र सरकार द्वारा अलग-अलग कुल किस दर से कराधान किया गया था ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) :

(क) जी हां ।

(ख) अन्तिम उत्पाद की कीमत विभिन्न कारणों द्वारा जैसे कि निवेश की लागत, विनिर्माण लागत, ऊपरी खर्चों, करापात आदि द्वारा निर्धारित होती है जून 1991 की तुलना में जनवरी 1995 में कपड़े तथा सिंथेटिक (मिश्रित) कपड़े की मिल पर कीमतों में प्रतिशत वृद्धि नीचे दी गई है :—

	सूती कपड़ा	सिंथेटिक (मिश्रित कपड़ा)
जून 1991 की तुलना में जनवरी 95 में प्रतिशत वृद्धि	67.7	33.8

(ग) से (ङ) इन फैब्रिकों पर कोई नया कर नहीं लगाया गया है । तथापि, वर्ष 1995 के बजट में सूती हौजरी फैब्रिक पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से छूट समाप्त कर दी गई थी । उद्योग से अभ्यावेदन प्राप्त होने पर अब सूती हौजरी फैब्रिक पर छूट को बहाल कर दिया गया है ।